ठंड और शीतलहर से पशुओं को कैसे बचाएं

उत्तर भारत में ठंड बढ़ रही है। आने वाले कुछ दिनों में, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तर और मध्य भारत में कुछ जगह शीतलहर की चेतावनी दी है।

ऐसे में पशुपालन विशेषज्ञों नें शीतलहर से पशुओं को बचानों के लिए सलाह दी है। उन्होंने बताया कि शीतलहर में पशुओं का तापमान कम हो जाता है और उन्हें सांस लेने में तकलीफ होने लगती है। इसके अलावा, खांसी व निमोनिया जैसी बीमारियां होने लगती है जिसके कारण पशु खाना पीना छोड़ देते हैं व दूध उत्पादन भी कम हो जाता है।

ठंड से पशुओं का बचाव इस तरह करें:

- विशेषज्ञों ने सलाह दी कि धूप निकलने पर ही पशुओं को बाहर निकालें
- पशुओं पर कंबल इत्यादि डाल कर रखें
- यदि पशुओं में ठंड के कोई लक्षण दिखाई दे तो तुरंत नजदीकी पशु चिकित्सक से संपर्क करें
- शीत लहर से बचाव के लिए सभी पशुओं को कृमिनाशक दवाइयां दिलवाएं
- गुड़ व खनिज मिश्रण नियमित तौर पर देते रहें
- पशुओं को नहलाने के लिए गरम/गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। पशुओं के बैठने का स्थान को सूखा रखें
- पशुओं के टीन शैड को पराली से ढक कर रखें